

# न्यायालय भूमि सुधार उप-समाहर्ता सदर, दरभंगा

## आदेश पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक, 1941 कर नियम 129)

1

आदेश पत्रक

भूमि विवाह वाद संख्या 112 सन् 2013-14

श्रीमती वानो देवी बनाम श्रीमती सोनावती देवी

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-सहित
	वानो देवी पति - कल्लर मण्डल	20-5-13.
	साठ-तेलहन, नइही चौल ग्राम - सदर जिला-दरभंगा के जिला जन शिकायत कोषांग दरभंगा के निबंधन संख्या 1285 दिनांक 02.05.13 के द्वारा प्राप्त हुआ है।	08/06/13 18-6-13.
	वादी के परिवार - पत्र के अग्रलोक से भट प्राप्त होता है कि वादी के भूमि को सोनावती देवी पति बाकुर मण्डल, राज कुमार मण्डल एवं अन्य लोगों के साथ मिलकर वादी को धमकाने मारने पीटने तथा इनकी भूमि पर जबरदस्ती कब्जा कर लिया है।	<del>29.06.13</del> 9-7-13 15-7-13
	वादी के परिवार - पत्र के आलोक में वाद को प्रतिग्रहित किया जाता है।	29/07/13
	पक्षकार को सूचना निर्गत करें। अभिलेख दिनांक 21.05.13 को रखें।	20/08/13 30/8/13.
		14/9-13. 29-9-13
		4.10.13 30-10-13.
		21-11-13. 7-12-13.
		19-12-13. 26/12/13
	लेखापित्त भूष सुब 30 समाप्त सदर, दरभंगा	07/01/14
	भूमि सुधार उप-समाहर्ता सदर, दरभंगा	15/01/14 28/01/14

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश की गई का ई के बारे में पणी, तारीख-सहित
21-5-13	वादी की श्रावणी ✓ प्रतिवादी की श्रावणी ✓ 1505	
30/5/13	वाही की श्रावणी, समय आवेदन है। प्रतिवाही की श्रावणी है।	
8-6-13	अभिलेख दिनांक 08/06/13 को वादी की श्रावणी ✓ प्रतिवादी की श्रावणी ✓ 1805	
18/06/13	वाही की श्रावणी ✓ प्रतिवाही की श्रावणी ✓ अभिलेख दिनांक 29/06/13	
29/06/13	वाही की श्रावणी नहीं है। प्रतिवाही की श्रावणी है। पुनः दिनांक 09/07/13	



आदेश की  
क्रम संख्या  
और तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पं. का  
गई कार्रवाई के  
बारे में टिप्पणी,  
तारीख-सहित

09/07/13

वाही की हाजिरी नहीं है  
विपक्षी हाजिरी है

वाही पुकार पर अनुपस्थित  
वाही विपक्षी को वाह पत्र के साथ संबंधित  
कागजात अगली तिथि को निश्चित रूप  
से उपलब्ध करेंगे।

विपक्षी W/S दाखिल करें।

अभिलेख दिनांक 19/07/13

मूकमूक अंसमान

19/07/13

वाही की हाजिरी नहीं है।  
विपक्षी अनुपस्थित है।

अभिलेख दिनांक 29/07/13

मूकमूक अंसमान

29/07/13

वाही | अड.।  
विपक्षी

पुनः दिनांक 20.8.13 का शर्त।

2.2.34.111.

आदेश की  
क्रम संख्या  
और तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश प की  
गई कार्रवाई के  
बारे में टिप्पणी,  
तारीख-

20/8/13

वादी - अनु०।

विपक्षी का हाजरी है तथा प्रतिअर दारिकस है।  
सुनवाई हेतु दिनांक 30.8.13 को रखें।

2. 2. 34. 11110

30/8/13

वादी - अनु०

विपक्षी की हाजरी है।

सूत: दिनांक - 13.9.13 को रखें।

2. 2. 34. 11110

13.9.13

वादी - अनु०

विपक्षी की हाजरी है।

सूत: दिनांक - 27.9.13 को रखें।

2. 2. 34. 11110

27.9.13

वादी - अनु०

विपक्षी की हाजरी है।

वादी दिनांक 19.7.13 से आज तक लगातार उपस्थित है।  
इसके द्वारा इस वाद में अभी तक व.स भी दारिकस नहीं किया  
गया है। इससे यह प्रति होता है कि वादी का उस  
वाद के निस्तार में कोई अभिरुचि नहीं है। अगली तिथि  
को अगु उपस्थित होकर अपना व.स दारिकस नहीं करना है तो  
वाद का निस्तार वा दिया जायेगा।


अभिलेख दिनांक - 4.10.13 को रखें।

2. 2. 34. 11110

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में तिथि, तारीख-सहित
4.10.13	<p>वादी - विपक्षी की हाजिरी है। अप्योहलाथरी प्रक्रिया में गये हैं। पुनः दिनांक 30.10.13 को रखें।</p> <p style="text-align: right;">2.2.34.1111</p>	
30.10.13	<p>वादी - अडु विपक्षी की ओर से हाजिरी है। पुनः दिनांक - 31.11.13 को रखें।</p> <p style="text-align: right;">2.2.34.1111</p>	
31.11.13	<p>वादी - अडु विपक्षी की ओर से हाजिरी है। पुनः दिनांक - 7.12.13 को रखें।</p> <p style="text-align: right;">2.2.34.1111</p>	
7.12.13	<p>वादी - अडु विपक्षी - अडु। पुनः दिनांक - 19.12.13 को रखें।</p> <p style="text-align: right;">2.2.34.1111</p>	
<u>19.12.13</u>	<p>अग्रपक्ष - अडु अप्योहलाथरी जांच में गये हैं। पुनः दिनांक - 26.12.13 को रखें।</p> <p style="text-align: right;">2.2.34.1111</p>	
26.12.13	<p>अग्रपक्ष - अडु / पुनः दिनांक 28.1.14 को रखें।</p>	

28.1.14

उभयपक्ष-अनु०।  
अभिलेख के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि  
वादी द्वारा दाएर वाद में रि० ५-19-7-13 के वाद  
से लगानार् अनुपादित कर रहे हैं। उस-प्रामाण्य  
द्वारा दि० 27-9-13 को दि० गये आदेश का  
अनुपालन दिपष्टी द्वारा नहीं किया गया है इसलिए यह  
ज्ञात होता है कि दिपष्टी को भी वाद के अनुपालन  
में अभिलेख नहीं है। ऐसी स्थिति में उस वाद को  
कार्रवाई को समाप्त दिया जाना है।

  
28/1/14  
श्री सुभाष ३५-11 प्रस्ता  
सद (सं० ७)